[Shri Ravindra Varma]

pending for discussion and a tentative schedule of the Ministries that will come up for discussion has been circulated, the Minister of Parliamentary Affairs does not make a statement. There has, therefore, been no departure from the past precedents.

The hon. Member raised the question of the possibility of some changes in dates depending upon the availability of the hon. Ministers concerned. If there is to be any such change, the House will be notified in due course.

12.48 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED STRIKE IN KHETRI COPPER PROJECT

श्री गायू सिंह (दासा) अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन का ध्यान एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर धारुष्ट करना चाहता हूँ। पिछले 25 फरवरी से खेतड़ी ताबा प्रोजेक्ट के लगभग 8 हजार मजदूर पूर्णतः हड़ताल पर हैं जिससे वहाँ का उत्पादन बिल्कुल ठप्प हो गया है। मजदूरों को पिछले कई दिनों में वेतन नहीं मिल रहा है। होनी नजदीक है। ऐसे अवसर पर मजदूरों को वेतन ब मिलने से उन में व उनके परिवार के सदस्यों में घोर निराशा उत्पन्न हो गई है। उससे बड़ा तनाव की स्थिति बनती जा रही है। कर्मचारियों के प्रतिनिधिमण्डल ने मंत्री महोदय से मिलकर हल निकालने का भी प्रयत्न किया लेकिन असफल रहे। बैसे हड़ताल मजदूरों द्वारा प्रारम्भ नहीं की गई थी बल्कि प्रबंधकों द्वारा कराई गई थी। बात केवल रस्ता बदलने की थी। जिस रस्ते के द्वारा मजदूर खान में उतरने है उसको सेफ्टी विभाग के अधिकारियों ने जाच के दौरान ठीक नहीं समझा व प्रबंधकों को उस रस्ते को बदलने की सलाह दी लेकिन रस्ता नहीं बदला गया। तब मजदूरों ने अपनी जान बचाने के लिए यही उचित समझा कि बिना रस्ता बदले अर्थात् इस पुराने रस्ते के सहारे नीचे खान में नहीं उतरा जाये। जब फिर भी रस्ता न बदला गया तो मजदूरों ने नीचे जाने से

इनकार कर दिया और पांच वर्ष पूर्व से चली आ रही कुछ और मांगों को साथ जोड़कर मैनैजमेंट से बात करने की इच्छा प्रकट की। मगर मैनैजमेंट ने बान करने से साफ इनकार कर दिया। बस इसी से वहाँ हड़ताल प्रारम्भ हो गई। कई संसद सदस्य वहाँ गये। मैं स्वयं भी वहाँ गया। वहाँ के मजदूरों से बातचीत की। हड़ताल होने से लाखों रुपये का देश को नुकसान हो रहा है। कर्मचारी चाहते हैं कि वहाँ उन्हें यूनियन बनाने का अधिकार दिया जाये, दो वर्ष से कार्य कर रहे मजदूरों को स्थायी किया जाये, बोनस दिया जाये एवं कपड़े जो कि नीचे खान में जाने से खराब हो जाते हैं, मजदूरों को दिये जायें। अर्थात् वहाँ देने की व्यवस्था की जाय—ये सब उन मजदूरों की समस्यायें हैं।

अध्यक्ष महोदय, ये समस्यायें बहुत कठिन नहीं हैं। इसलिये मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूँ कि देश के कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए, वे उनसे बातचीत करे और उचित मांगों को स्वीकार करे, तथा अन्य मांगों पर विचार करने के लिए कोई कमेटी नियुक्त करे, ताकि हड़ताल समाप्त हो सके, कर्मचारियों का असन्तोष समाप्त हो और बहा पर पुनः उत्पादन प्रारम्भ हो सके।

मैं मंत्री महोदय से पुनः कहना चाहंगा कि उन मजदूरों की समस्याओं पर सहानुभूति-पूर्वक विचार करने के लिए उन्हें यहाँ बुलायें या स्वयं वहाँ पर जायें और बातचीत करके उनकी समस्याओं का हल निकालें, ताकि देश नुकसान से बच सके और उन कर्मचारियों को कुछ दिया जा सके, जिससे उनका असन्तोष समाप्त हो।

(ii) REPORTED STRIKE BY EMPLOYEES OF MOGUL LINES CAUSING HARDSHIPS TO PASSENGERS GOING TO KONKAN.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR (Ratnagiri): I rise here to raise a matter of urgent public importance in this House under Rule 377. Operation